सामाजिक क्रांति के अग्रदूत राजमोहनी देवी

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास

लघु – शोध

सत्र 2022–2023

शोध निर्देशक

डॉ. ममता गर्ग

विभागाध्यक्ष (इतिहास विभाग)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोधकर्ता

आरती रजवाड़े

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

अनुमोदित

विभागाध्यक्ष

इतिहास विभाग

शास. स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर

(इतिहास विभाग)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा(छ.ग.)

Scanned with ACE Scanner

प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शोधार्थी आरती रजवाड़े ने क्षेत्रीय इतिहास के अंतर्गत सामाजिक क्रांति के अग्रदूत राजमोहनी देवी शीर्षक पर प्रस्तुत लघु शोध स्वयं कठिन परिश्रम एवं इमानदारी पूर्वक पूर्ण किया है। जिसमें समय-समय पर मेरा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ हैं। मेरे संज्ञान में यह इनका स्वतंत्र एवं मौलिक लेखन है।

मैं सहृदय पूर्वक इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हूँ ।

स्थान - अम्बिकापुर

दिनांक -

निर्देशक

डॉ.ममता गर्ग,

विभागाध्यक्ष

(इतिहास विभाग)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

Scanned with ACE Scanner

प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शोधार्थी आरती रजवाड़े ने क्षेत्रीय इतिहास के अंतर्गत सामाजिक क्रांति के अग्रदूत राजमोहनी देवी शीर्षक पर प्रस्तुत लघु शोध स्वयं कठिन परिश्रम एवं इमानदारी पूर्वक पूर्ण किया है। जिसमें समय-समय पर मेरा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ हैं। मेरे संज्ञान में यह इनका स्वतंत्र एवं मौलिक लेखन है।

मैं सहृदय पूर्वक इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हूँ ।

स्थान - अम्बिकापुर

दिनांक -

निर्देशक

डॉ.ममता गर्ग,

विभागाध्यक्ष

(इतिहास विभाग)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

Scanned with ACE Scanner

सामाजिक क्रांति की अग्रदूत राजमोहनी देवी

प्रथम अध्याय

- राजमोहिनी देवी का जीवन परिचय

द्वितीय अध्याय :

- धार्मिक जीवन

तृतीय अध्याय

- आध्यात्मिक जीवन

चतुर्थ अध्याय :

- समाज सुधार

पंचम अध्याय :

- धार्मिक एवं अन्य सुधार तथा आंदोलन

षष्ठ अध्याय :

- राजमोहिनी देवी का सम्मान

सप्तम अध्याय :

- बापू धर्मसभा

Scanned with ACE Scanner

परम् पूज्य श्री गहिरा गुरूजी महाराज एक संक्षिप्त परिचय

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास

लघु – शोध

सत्र 2022–2023

Seen.
07-8-23

शोध निर्देशक

डॉ. अजय पाल सिंह
सहायक प्राध्यापक
(इतिहास विभाग)
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
इतिहास विभाग

शोधकर्ता

अमित कुमार सिंह
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

(इतिहास विभाग)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा(छ.ग.)

Scanned with ACE Scanner

प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शोधार्थी अमित कुमार सिंह ने क्षेत्रीय इतिहास के अंतर्गत साहित्य के क्षेत्र मे परम् पूज्य श्री गहिरा गुरूजी महाराज एक संक्षिप्त परिचय शीर्षक पर प्रस्तुत लघु शोध स्वयं कठिन परिश्रम एवं इमानदारी पूर्वक पूर्ण किया है। जिसमें समय-समय पर मेरा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ हैं। मेरे संज्ञान में यह इनका स्वतंत्र एवं मौलिक लेखन है।

मैं सहृदय पूर्वक इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ ।

स्थान - अम्बिकापुर
दिनांक - 8-7-23

निर्देशक
डॉ. अजय पाल सिंह सहायक प्राध्यापक
(इतिहास विभाग)
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

Scanned with ACE Scanner

: अध्यायीकरण :

1. परम् पूज्य श्री गहिरा गुरूजी महाराज का संक्षिप्त परिचय
2. श्री कैलाशनाथेश्वर गुफा धाम
3. संस्था परिचय

   यज्ञ, षोड़श–संस्कार एवं लीला–कीर्तन
4. संस्था के उद्देश्य

   प्रतिवर्ष यज्ञ होने वाले ग्रामों की सूची
5. शैक्षणिक गतिविधि
6. मुक्तिधाम कैलाश गुफा एवं पूज्य गहिरा गुरुजी

   कैलाशगुफा

   कैलाश गुफा की ज्ञान वापी

   कैलाशगुफा का आनन्द वन
7. "भारत के अमूल्य निधि– पूज्य गहिरा गुरू जी"
8. गुरूजी की स्मृति
9. महामानव–पूज्य गहिरा गुरुजी

   उपसंहार

   निष्कर्ष

   सदंर्भ सूची

Scanned with ACE Scanner

छत्तीसगढ़ लोकगीत और तीजन बाई

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास

लघु – शोध

सत्र 2022–2023

Seen
07-08-23

शोध निर्देशक
डॉ. ममता गर्ग
विभागाध्यक्ष (इतिहास विभाग)
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

अग्रेषित

विभागाध्यक्ष
इतिहास विभाग
शास. स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर

Anjana Singh
शोधकर्ता
अंजना सिंह
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

(इतिहास विभाग)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा(छ.ग.)

Scanned with ACE Scanner

प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शोधार्थी अंजना सिंह ने क्षेत्रीय इतिहास के अंतर्गत छत्तीसगढ़ लोकगीत और तीजन बाई शीर्षक पर प्रस्तुत लघु शोध स्वयं कठिन परिश्रम एवं इमानदारी पूर्वक पूर्ण किया है। जिसमें समय-समय पर मेरा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ हैं। मेरे संज्ञान में यह इनका स्वतंत्र एवं मौलिक लेखन है।

मैं सहृदय पूर्वक इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हूँ ।

स्थान - अम्बिकापुर

दिनांक - 08-07-2023

निर्देशक

डॉ.ममता गर्ग,

विभागाध्यक्ष

(इतिहास विभाग)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

Scanned with ACE Scanner

: अध्यायीकरण :

अध्याय 1:– 1.1 छत्तीसगढ का परिचय

1.2 पंडवानी का इतिहास और इसका वर्तमान

अध्याय 2 :– 2.1 तीजन बाई का जीवन परिचय

2.2 व्यक्तिगत जीवन

2.3 बचपन से ही किया संघर्ष

2.4 प्रदर्शन शैली

2.5 प्रथम प्रस्तुति

2.6 विदेशों में तीजन बाई की ख्याति

अध्याय 3:– 3.1 छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोक गायक

3.2 छत्तीसगढ़ के लोक गायक के नाम

3.3 पंडवानी विद्या के अन्य कलाकार

3.4 पंडवानी और तीजन बाई

अध्याय 4:– 4.1.पंडवानी गायन विधा में लोकसंस्कृति का

Scanned with ACE Scanner

अनुशीलन

4.2. छत्तीसगढ़ी जनसमुदाय

4.3. पंडवानी की प्रमुख शैली

अध्याय 5:—

5.1. महिला सशक्तिकरण और तीजनबाई

5.2. बचपन से ही किया संघर्ष

5.3. गीतकार उमेद सिंह देशमुख ने पहचानी तीजनबाई की प्रति

5.4. तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सामने दी गायन की प्रस्तुति

5.5. प्रशस्त पत्र

उपसंहार

संदर्भ ग्रंथ सूची

किताबें

ऑनलाइन स्रोत

Scanned with ACE Scanner

सरगुजा के इतिहास में राजमाता देवेंद्र कुमारी एक परिचय

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास

लघु – शोध

सत्र 2022–2023

शोध निर्देशक
डॉ. ममता गर्ग
विभागाध्यक्ष (इतिहास विभाग)
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
इतिहास विभाग
शास. स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर

शोधकर्ता
रोशनी पैकरा
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

(इतिहास विभाग)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा(छ.ग.)

Scanned with ACE Scanner

प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शोधार्थी रोशनी पैकरा ने क्षेत्रीय इतिहास के अंतर्गत सरगुजा के इतिहास में राजमाता देवेंद्र कुमारी एक परिचय शीर्षक पर प्रस्तुत लघु शोध स्वयं कठिन परिश्रम एवं इमानदारी पूर्वक पूर्ण किया है। जिसमें समय-समय पर मेरा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ हैं। मेरे संज्ञान में यह इनका स्वतंत्र एवं मौलिक लेखन है।

मैं सहृदय पूर्वक इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हूँ ।

स्थान - अम्बिकापुर
दिनांक -08-07-2023

निर्देशक
डॉ.ममता गर्ग,
विभागाध्यक्ष
(इतिहास विभाग)
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

Scanned with ACE Scanner

सरगुजा के इतिहास में - राजमाता देवेंन्द्र कुमारी एक परिचय

–: अध्यायीकरण :–

अध्याय– 1 सरगुजा – एक सामान्य परिचय ।

अध्याय– 2 सरगुजा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।

अध्याय– 3 राजमाता का जीवन परिचय ।

अध्याय– 4 शिक्षा के क्षेत्र में राजमाता देवेन्द्र कुमारी जी का योगदान ।

अध्याय– 5 राजनीति के क्षेत्र में राजमाता देवेन्द्र कुमारी जी का योगदान।

Scanned with ACE Scanner

सरगुजा के साहित्यकार राजा गगन : एक ऐतिहासिक अनुशीलन

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास

लघु – शोध

सत्र 2022–2023

शोध निर्देशक

डॉ. अजय पाल सिंह
सहायक प्राध्यापक
(इतिहास विभाग)
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
इतिहास विभाग
शास. स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर

शोधकर्ता

शिवप्रकाश
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
रोल नबंर- 230408006
नामांकन क्रमांक-RGPGA/21/055
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा(छ.ग.)

Scanned with ACE Scanner

प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शोधार्थी शिव प्रकाश ने क्षेत्रीय इतिहास के अंतर्गत साहित्य के क्षेत्र मे सरगुजा के साहित्यकार राजा गगन :एक ऐतिहासिक अनुशीलन शीर्षक पर प्रस्तुत लघु शोध स्वयं कठिन परिश्रम एवं इमानदारी पूर्वक पूर्ण किया है। जिसमें समय-समय पर मेरा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ हैं। मेरे संज्ञान में यह इनका स्वतंत्र एवं मौलिक लेखन है।

मैं सहृदय पूर्वक इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ ।

स्थान - अम्बिकापुर
दिनांक - 06/07/2023

निर्देशक
डॉ. अजय पाल सिंह सहायक प्राध्यापक
(इतिहास विभाग)
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

Scanned with ACE Scanner

सरगुजा के साहित्यकार राजा गगन :
एक ऐतिहासिक अनुशीलन

अनुक्रमणिका

क.	अध्याय	विषय वस्तु	पष्ट संख्या
01	प्रथम अध्याय	राजा गगन का एक सामान्य परिचय	02-19
02	द्वितीय अध्याय	कत्यूरी सूर्यवंश का एक सामान्य परिचय	20-32
03	तृतीय अध्याय	सरगुजा जिले का एक सामान्य परिचय	33-36
04	चतुर्थ अध्याय	राजा गगन का साहित्यिक अनुदान	37-70
05	पंचम् अध्याय	उपसंहार।	71-72
		संदर्भ–स्रोत	73-74

Scanned with ACE Scanner